



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 37] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 12, 1992 (भाद्रपद 21, 1914)
No. 37] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 12, 1992 (BHADRA 21, 1914)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.)

भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

बैंक आफ इण्डिया
प्रधान कार्यालय

बम्बई-400021, दिनांक 22 जुलाई 1992

अनुबंध—“अ”

पृष्ठ सं०	विनियम	अशुद्धि	इस प्रकार पढ़ें
1908 (तीसरी पंक्ति)	23 (VIII)	1-1-1990 को और उसके बाद से, यदि उसका कार्य-समय दिन के दो भागों में बंटा हुआ है और समय-समय के इस विभाजन में कम से कम दो घंटे का अन्तराल है तो उसे रु० 35/- प्रति माह विभाजित कार्य-भत्ता दिया जाएगा	1-1-1990 को और उसके बाद से, यदि उसका कार्य-समय दिन के दो भागों में बंटा हुआ है और कार्य-समय के इस विभाजन में कम से कम दो घंटे का अन्तराल है तो उसे रु० 35/- प्रति माह विभाजित कार्य-भत्ता दिया जाएगा
1908	41 (4) (ख)	पृष्ठ में सबसे नीचे छापी गई तालिका में “खानपान खर्च (रूपये)” के अन्तर्गत क्षेत्र 1 की कालम संख्या (5) दी गई है	पृष्ठ में सबसे नीचे छापी गई तालिका में “खानपान खर्च (रूपये)” के अन्तर्गत क्षेत्र 1 की कालम संख्या (4) पढ़ी जाए
1909	41 (4) (घ)	यदि भोजन बैंक के खर्च पर उपलब्ध कराया गया है बैंक द्वारा निःशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई है तो आधा विराम भत्ता दिया जाएगा	यदि भोजन बैंक के खर्च पर उपलब्ध कराया गया है बैंक द्वारा निःशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई है तो आधा विराम भत्ता दिया जाएगा

ह०/-

अपठनीय

यूनाइटेड बैंक आफ इण्डिया
कलकत्ता, दिनांक 18 जून 1992

अनुबंध—“अ”

विनियम

सं० एच आर डी/पी सी आर (सी) 27/92

23 (viii) 1-1-1990 को और उसके बाद से, यदि उसका
कार्य-समय दिन के दो भागों में बँटा हुआ है और

कार्य-समय के इस विभाजन में कम से कम दो घंटे
का अन्तराल है तो उसे ₹० 35/- प्रति माह विभा-
जित कार्य-समय भत्ता दिया जाएगा।

41 (4) 1-6-1991 को और उसके बाद से नीचे दी गई
सारणी के स्तम्भ 1 में वर्णित श्रेणी/वेतनमान का
अधिकारी स्तम्भ 2 में वर्णित तदनुसूची दरों से विराम
भत्ता पाने का हकदार होगा :

(1)	(2)		
	दैनिक भत्ता (रुपये)		
अधिकारियों की श्रेणी/वेतनमान	प्रमुख 'ए' वर्ग के नगर	क्षेत्र	अन्य स्थान
वेतनमान IV और उससे ऊपर के अधिकारी	120.00	100.00	85.00
वेतनमान I/II/III के अधिकारी	100.00	85.00	75.00

परन्तु

(क) यदि अनुपस्थिति की कुल अवधि 8 घंटे से कम किंतु
4 घंटे से अधिक है तो ऊपर बताई गई दरों की आधी
दर से विराम भत्ता देय होगा।

विनियम

(ख) विभिन्न/श्रेणियों वेतनमानों के अधिकारियों को होटल
के वास्तविक खर्च की प्रतिपूर्ति की जा सकती है जो
नीचे बताई गई सीमा तक भारतीय पर्यटन विकास
निगम के होटलों में एकल आवास के प्रभारों तक
सीमित होगी :

	खान-पान खर्च (रुपये)			
अधिकारियों की श्रेणी/वेतनमान	ठहरने की पात्रता	प्रमुख 'ए' वर्ग के नगर	क्षेत्र	अन्य स्थान
(1)	2	3	4	5
वेतनमान VI और VII	4* होटल	120.00	100.00	85.00
वेतनमान IV और V	3* होटल	120.00	100.00	85.00
वेतनमान II और III	2* होटल (अवातानुकूलित)	100.00	85.00	75.00
वेतनमान I	1* होटल (अवातानुकूलित)	100.00	85.00	75.00

(ग) यदि आवास बैंक के खर्च पर उपलब्ध कराया गया है/ बैंक द्वारा निःशुल्क आवास की व्यवस्था की गई है तो तीन चौथाई विराम भत्ता दिया जाएगा।

(घ) यदि भोजन बैंक के खर्च पर उपलब्ध कराया गया है/ बैंक द्वारा निःशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई है तो आधा विराम भत्ता दिया जाएगा।

विनियम

(ङ) यदि आवास और भोजन की व्यवस्था बैंक के खर्च पर की गई है/ बैंक द्वारा निःशुल्क आवास और भोजन की व्यवस्था की गई है तो चौथाई विराम भत्ता दिया जाएगा। लेकिन यदि कोई अधिकारी भोजन के लिए किए गए वास्तविक खर्च का दावा बिल प्रस्तुत किए बिना घोषणा के आधार पर करता है तो वह चौथाई विराम भत्ता पाने का हकदार नहीं होगा।

(च) सभी निरीक्षण अधिकारियों को मुख्यालय में बाहर निरीक्षण ड्यूटी पर विराम के प्रतिदिन के लिए रु०/10- का अनुपूरक दैनिक भत्ता दिया जाएगा। (1-1-1987 में प्रभावी)

स्पष्टीकरण :

विराम भत्ते की संगणना के लिए 'प्रतिदिन' का अर्थ— प्रायः, 24 घंटे की अवधि या उसके बाद का कोई भी भाग, जिसकी गणना विमान यात्रा के मामले में प्रस्थान के लिए नियत समय से लेकर पहुंचने के वास्तविक समय तक की जाएगी। यदि अनुपस्थिति की कुल अवधि 24 घंटे से कम है तो 'प्रतिदिन' से ऐसी अवधि अभिप्रेत है जो 8 घंटे से कम न हो।

- 14 (ii) 1-6-1991 को और उसके बाद चार वर्षों में एक बार, जब कोई अधिकारी छुट्टी यात्रा सुविधा का उपयोग करता है तब उसे एक धार में अधिक से अधिक एक माह की अपनी विशेषाधिकार छुट्टी के नकदी करण की सुविधा दी जा सकती है। विकल्पतः, उसे दो वर्षों के एक खण्ड में अपने गृह नगर की और दूसरे खण्ड में भारत के किसी भी स्थान की यात्रा करने पर प्रत्येक खण्ड में अधिकतम 15 दिन की या एक खण्ड में 30 दिनों की विशेषाधिकार छुट्टी के नकदीकरण की सुविधा दी जा सकती है। ऐसे नकदीकरण के प्रयोजन के लिए जिस माह में छुट्टी किराया सुविधा ली जा रही है उस माह की देय कुल परिलब्धियां उसे मिलेंगी।

विनियम

परन्तु यदि अधिकारी चाहे तो यह एक दिन की अतिरिक्त विशेषाधिकार छुट्टी के नकदीकरण की राशि प्रधानमंत्री सहायता त्रय के लिए दे सकता है जिसके लिए उसे बैंक को इस आग्रह

का पत्र देते हुए राशि उक्त कोष में जमा कराने का प्राधिकार देना होगा।

ह०/-

अपठनीय

दि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया

नई दिल्ली-110002, दिनांक 28 अगस्त 1992

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

सं० 1 सी०ए० (7)/21/92---चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स विनियमों, 1988 को संशोधित करने हेतु, कुछ विनियमों का मसविदा, जिन्हें कि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया की परिषद प्रस्तावित करती है तथा चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स अधिनियम 1949 की धारा 30 की उपधारा (3) की व्यवस्थाओं के अनुरूप इससे प्रभावित होने वाले मसस्त व्यक्तियों हेतु प्रकाशित करती है तथा एतद्वारा सूचित करती है कि कथित मसविदा को सरकारी राजपत्र, जिसमें कि यह अधिसूचना प्रकाशित की गई है, की प्रतियां सर्वसाधारण हेतु उपलब्ध होने की तिथि के 45 दिन की अवधि पर अथवा उसके उपरान्त विचार हेतु लिया जायेगा।

उसी तरह निर्धारित अवधि की समाप्ति से पूर्व, कथित मसविदा से संबंधित किसी भी व्यक्ति से प्राप्त हुई आपत्ति अथवा सुझाव पर, कथित परिषद द्वारा विचार किया जायेगा।

विनियमों का मसविदा

1. इन विनियमों को चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स (संशोधन) विनियम, 1992 कहा जायेगा।

2. चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स विनियम, 1988 के विनियम 192 की प्रावियों में—

(अ) खण्ड (ब) के अन्त में, शब्द "और" को हटा दिया जायेगा।

(ब) खण्ड (स) के अन्त में, "सम्पत्ति मूल्यांकन" शब्दों को "सम्पत्ति मूल्यांकन, और" शब्दों से बदल दिया जायेगा।

(स) इस तरह संशोधित खण्ड (स) के बाद निम्नलिखित खण्ड को सम्मिलित किया जायेगा— जैसे—

"(द) एक निरीक्षक के मामले में, जो कि किसी बीमा कम्पनी के लिए निरीक्षण का काम कर रहा है, शुल्क का निर्धारण, अन्तिम दावे में, परिमाणिक निरीक्षण के परिणाम का प्रतिफल के आधार पर हो सकता है।"

ए० के० मजुमदार,
सचिव

द इंस्टीट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया
कलकत्ता-700016, दिनांक 26 अगस्त 1992

सं० सी० डब्ल्यू० आर० (1)/87—यतः कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स अधिनियम, (1959) की धारा 39 की उपधारा 1 की उपधारा 2 के साथ पठित होने पर दिए गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए द काउन्सिल आफ द इंस्टीट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया ने कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स विनियमन 1959 में और आगे संशोधन हेतु कुछ संकल्प प्राप्त हुए हैं।

और अतः उक्त काउन्सिल ने केन्द्र सरकार के अनुमोदन, के उक्त आशय हेतु निम्न प्रस्तावित संशोधन नीचे दिए जा रहे हैं।

अतः अब द कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स एक्ट, 1959 (1959 का 23) की धारा 39 की उपधारा 3 के तहत उसका अनुसरण करते हुए उक्त प्रस्ताव जनसाधारण के सूचनार्थ एवं उसके प्रभावी करने हेतु के आणय से काउन्सिल आफ द इंस्टीट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया इसे प्रकाशित कर रही है।

एतद्वारा यह सूचना दी जा रही है कि यदि कोई व्यक्ति आपत्ति उठाना चाहता है या कोई सुझाव देना चाहता है तो ऐसी स्थिति में वह अपनी आपत्ति या सुझाव काउन्सिल आफ द इंस्टीट्यूट को उस पर विचार करने हेतु पैंतालीस दिन के अन्दर कार्यालयीन गजट की कार्यालय प्रति के प्राप्त होने के बाद प्रेषित करें ताकि यह जन साधारण को उपलब्ध हो सके। इसे द इंस्टीट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया 12 सदर स्ट्रीट, कलकत्ता-16 को प्रेषित किया जाए।

(प्रस्ताव का प्रारूप)

1. (1) यह विनियमन द कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स (अमैण्डमेंट) रेग्युलेशन, 1991 के नाम से जाना जाएगा।
- (2) यह आफिशियल गजट में अन्तिम प्रकाशन के बाद ही प्रभावी होगा।
2. द कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन, 1959 के विनियमन 54 (जो अतः पर विनियमन के नाम से संदर्भित होगा) चुनाव में मत देने हेतु कौन पात्र हैं शब्द के बाद इन शब्दों को जोड़ा जायेगा इंस्टीट्यूट के अन्दर या नियुक्त नहीं है।
3. विनियमन के 117 वें विनियम के उप नियम 1 में वर्तमान प्रावधान के उपरांत निम्नलिखित प्रावधान जोड़े जायेंगे। यथा :

“वर्षांत इंस्टीट्यूट का कोई सदस्य जो काउन्सिल के क्षेत्रीय कार्यालय में नियुक्त है और जो इंस्टीट्यूट या क्षेत्रीय काउन्सिल के अधीन कार्य कर रहा है या नियुक्त किया गया है वह क्षेत्रीय कार्यालय के चुनाव में क्षेत्रीय काउन्सिल में चुनाव लड़ने का पात्र नहीं है।

ए० आर० आचार्य,
सचिव

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1992

सं० यू०-16/53/90-चि०-2 (आंध्र प्रदेश) —कर्मचारी राज्य बीमा निगम (साधारण) विनियम, 1950 के तहत महानिदेशक को निगम की शक्तियां प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक : 25 अप्रैल, 1951 को हुई बैठक में पास किए गए संकल्प के अनुमरण में, मैं इसके द्वारा वारंगल के उप निदेशक बीमा चिकित्सा सेवाएं, वारंगल को विद्यमान मानको के अनुसार देय पारिश्रमिक पर दिनांक 31-1-1992 से 30-1-1993 तक या किसी पूर्णकालिक चिकित्सा निदेशी के कार्यभार ग्रहण करने की तिथि तक, इसमें से जो भी पहले हो वारंगल तथा सीरपुर कामाज नगरकेन्द्र के बीमा-कृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण-पत्र की सत्यता में संदेह होने पर उन्हें आगे प्रमाण-पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती हूँ।

श्रीमति कुसुम प्रसाद,
महानिदेशक

दिनांक 20 अगस्त 1992

सं० डी०-11-19/नॉएडा/90- सामान्य—लोक परिसर (अप्राधिकृत अधिशोषियों को बेवखली संशोधित अधिनियम, 1984 (1984 का 35) की धारा-3, द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, कोटला मार्ग, नई दिल्ली निम्न सारणी के स्तम्भ (1) में वर्णित अधिकारी को, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी की पंक्ति के समतुल्य अधिकारी है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारियों के रूप में एतद्वारा नियुक्त करने हैं, और उक्त अधिकारी उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट लोक परिसरों की बाबत अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर उक्त अधिनियम के द्वारा या उसके अधीन सम्पदा अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके और उन्हें सौंपे गए कर्तव्यों का पालन करेंगे।

सारणी

अधिकारी का पदाभिधान	लोक परिसरों के प्रदर्शन और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं
निदेशक (चिकित्सा) नॉएडा	कर्मचारी राज्य बीमा योजना,
निदेशालय (चिकित्सा)	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल
नॉएडा कर्मचारी राज्य बीमा	सैक्टर-24, नॉएडा-201301
योजना कर्मचारी राज्य बीमा	(उत्तर प्रदेश) के परिसर के
अस्पताल सैक्टर-24,	अन्दर अपने प्रशासनिक
नॉएडा-201301	नियंत्रण के अधीन आने वाले
(उत्तर प्रदेश)	कर्मचारी राज्य बीमा निगम के
	स्वामित्व के लोक परिसर
	(आवासीय तथा गैर-आवासीय)

श्रीमति कुसुम प्रसाद,
महा निदेशक

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन

केन्द्रीय कार्यालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 24 अगस्त 1992

सं० सम्मेलन-5 (12) 87/एच० आर०/ 2503—
कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के पैराग्राफ 5 के साथ
पठित पैराग्राफ 4 के उप-पैराग्राफ (1) के अनुसरण में और भारत
सरकार के श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली के एस०ओ० संख्या 2770,
दिनांक 02 जुलाई, 1983 का अतिक्रमण करते हुए अध्यक्ष,
केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि, हरियाणा राज्य के
लिए क्षेत्रीय समिति गठन करने हैं, जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति
होंगे, अर्थात् :—

अध्यक्ष

- | | |
|---|--|
| 1. वित्तीय आयुक्त तथा सचिव,
हरियाणा सरकार श्रम एवं
रोजगार विभाग, चण्डीगढ़ | अध्यक्ष, केन्द्रीय बोर्ड
द्वारा नियुक्त |
|---|--|

सदस्य

- | | |
|--|--|
| 2. श्रम आयुक्त,
हरियाणा, चण्डीगढ़ | राज्य सरकार की
सिफारिश पर अध्यक्ष,
केन्द्रीय बोर्ड द्वारा
नियुक्त दो कर्मचारी |
| 3. संयुक्त सचिव,
हरियाणा सरकार
वित्त विभाग, चण्डीगढ़
नियोक्ता पक्ष के प्रतिनिधि | —वही— |
| 4. श्री टी०आर० अग्रवाल,
मै० टी० आई० टी० मिल्स,
भिन्नानी | राज्य में नियोक्ता
संगठनों के परामर्श
से अध्यक्ष, केन्द्रीय
बोर्ड द्वारा नियोक्ताओं
के पांच प्रतिनिधि
नियुक्त |
| 5. श्री पवन कुमार गर्ग,
मै० स्वास्तिक स्पिननिंग मिल्स,
पानीपत | —वही— |

6. श्री आर०के० सरीन,
मै० बलारपुर इण्डस्ट्रीज लि०,
यमुना नगर

राज्य में नियोक्ता
संगठनों के परामर्श
से अध्यक्ष, केन्द्रीय
बोर्ड द्वारा नियोक्ताओं
के पांच प्रतिनिधि
नियुक्त

—वही—

7. श्री अरूण कपूर,
मेनेजिंग डायरेक्टर,
द एटलस साईकिल लि०,
सोनीपत

—वही—

8. श्री जतिन्द्र मेहता,
मै० एमेक्स आटो, गुणगांव
कर्मचारी पक्ष के प्रतिनिधि

9. श्री श्याम सिंह चौहान,
अध्यक्ष इंटक,
नीलम चौक, फरीदाबाद

राज्य में कर्मचारी
संगठनों के परामर्श
से अध्यक्ष, केन्द्रीय
बोर्ड द्वारा कर्मचारियों
के पांच प्रतिनिधि
नियुक्त

—वही—

10. श्री रघुवीर सिंह,
महासचिव, एटक,
असन्ध रोड, पानीपत

—वही—

11. श्री जगन नाथ गेरा,
अध्यक्ष, बी०एम०एस० शहीद—
चौक, फरीदाबाद

—वही—

12. श्री राम किशन सहगल,
अध्यक्ष हिन्द मजदूर सभा,
भाटिया बिल्डिंग, रेलवे रोड,
यमुना नगर

—वही—

13. श्री जगमूल सिंह,
लीडर इंटक,
हरियाणा, बेदरीज,
सोनीपत

14. क्षेत्र के प्रभारी क्षेत्रीय भविष्य निधि
आयुक्त, क्षेत्रीय समिति के सचिव
भी होंगे।

ब० ना० सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

दिनांक 28 अगस्त 1992

सं० के० भ० नि० आ० 1 (4) दिल्ली (389)/ 92/ 2530—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहां प्रतीत होता है कि निम्नलिखित
स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम,
1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किए जायें।

क्रमांक	कोड सं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1	2	3	4
	1. दिल्ली/13757	मै० चामुण्डी प्रोसेस प्रा० लि०, 10, रानी बांसी रोड, मोतिया खान, न्यू दिल्ली-110055	1-9-1991

1	2	3	4
2.	दिल्ली/13726	मै० हीरा इन्टरप्राइजिज, 76, साहीपुर, शालीमार बाग, दिल्ली-52	01-10-1991
3.	दिल्ली/13723	मै० बैस प्राइवेट इन्वैस्टीगेशन एण्ड सिक्यूरिटी सर्विसेज, 126, साद्विली नगर, नई दिल्ली-17	1-09-1991
4.	दिल्ली/13516	मै० पोटेटा कैंटर्स, 13-5 माडल टाउन-II दिल्ली-110009	01-07-1991
5.	दिल्ली/13840	मै० मेहरा हार्जसिंग होल्डिंग (प्रा०) लि०, मेहरा भवन, 2795-98 अजमल खां रोड, नई दिल्ली-55	01-10-1991
6.	दिल्ली/13625	मै० सैरवल सिक्यूरिटी सर्विसेज टी-282 जनरल मार्केट, पहाड़गंज, नई दिल्ली-55	01-09-1991
7.	दिल्ली/13322	मै० गुप्ता सेल्स कारपोरेशन, वी-18, ओखला इण्डस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110020	01-01-1991
8.	दिल्ली/13047	मै० सोना इंजीनियर्स इंडिया (प्रा०) लि०, 167, जाकिर बास, ओखला रोड, नई दिल्ली-25	01-03-1991
9.	दिल्ली/12444	मै० एक्सीलेन्ट सर्विसेज, 11-ए/39, डब्ल्यू०ई०ए०, करोल बाग, नई दिल्ली-55	01-06-1990
10.	दिल्ली/13381	मै० ताथल बर्दस प्रा० लि०, 5266, श्रद्धानन्द मार्ग, अजमेरी गेट, दिल्ली-110006	01-04-1991

अतः मै० बी०एन० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं को उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता हूँ जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शाई गई है।

बी० एन० सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं० के० भ० नि० आ० 1 (4) आ० प्र० (413)/92/2534—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित कर्मचारियों तथा नियोक्ताओं का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किए जायें।

क्रमांक	कोड संख्या	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1	2	3	4
1. आ०प्र०/20383		मै० द गोडीकेरला प्राइमरी एग्रीकल्चरल को०आप० क्रेडिट सोसा० लि०, सं० 3876 गोडीकेरला, नाकापल्ली मंडलम, दिशाखापट्टनम डि०	11-1-91
2. आ०प्र०/20354		मै० परमेश्वरा निर्दिष्ट, अडेपल्लीगुडम-534101, वैस्ट गोदावरी जिला, आ०प्र०	01-09-1991
3. आ०प्र०/20361		मै० मल्होत्रा एन्टरप्राइजिज, इंदिरा कालोनी, श्रीहरिपुरम, दिशाखापट्टनम-53001, शाखाओं सहित।	01-09-1991
4. आ०प्र०/21917		मै० ऊषाकिरण, एन्टरप्राइजिज, 01-10-76 फेयर फील्ड, बेगमपेट, हैदराबाद-500016	01-07-1991
5. आ०प्र०/21770		मै० यूनिवर्सल ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन, 108/3. वाकर टाउन, सिकन्दराबाद-500025	01-01-1991

1	2	3	4
6. आ०प्र०/21947	मै० लक्ष्मी प्रोसेस, 11-5-422/सी०/बी०/2, रेड हिल्स हैदराबाद-500024		01-04-1991
7. आ०प्र०/21824	मै० ग्रांजियर एण्ड एसीसिएट्स, 401, चौथी मंजिल विष्णु शक्ति काम्पलेक्स, अमीरपेट, हैदराबाद-5000016		01-0-91
8. आ०प्र०/21855	मै० अन्जु एन्टर प्राइजिज, ए-2/3, बी०एच०ई०एल०, एन्किलेरी, रामचन्द्रपुरम-5000032, आ०प्र०		
9. आ०प्र०/22009	मै० बाबाजी वाइन्स, 4/9, नागराजागेट, कुरुप्पा-516001		01-11-1991

अतः मै० बी० एन० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपयुक्त स्थापनाओं को उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता हूँ जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शाई गई हैं।

बी०एन० सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं० के० भ० नि० आ० 1 (4) दिल्ली (414)/92/2540—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किए जायें।

क्रमांक	कोड संख्या	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1	2	3	4
1. दिल्ली/13247		मै० सिक्योरिटी एण्ड नेशनल सर्विसज, 253-बी०, शाहपुर जट, नियर पंचवील आफिस काम्पलेक्स, नई दिल्ली-110016	01-03-1991
2. दिल्ली/13640		मै० ब्रशमैन इंडस्ट्रीज बी०-95/3, फेस-1, नारायणा इण्डस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली-110028	04-09-1991
3. दिल्ली/13589		मै० कर्नल इंटेलिजेंस एण्ड सिक्यूरिटी नेट वर्क, बी-25, अंसल चैम्बर्स-1, 3, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली-110066	01-06-1991
4. दिल्ली/13670		मै० कोम्बी आरगन कैमि० प्रा० लि०, 1205-ए, नई दिल्ली हाउस, 27 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001, इसके 33 न्यू ओखला इण्डस्ट्रियल एरिया फेस-II, स्कीम-III नई दिल्ली 20 स्थित प्लॉट सहित।	01-09-1991
5. दिल्ली/9070		मै० ट्रेडक्स हार्टिकल्चरलिस्ट, 389, थान सिंह नगर, आनन्द पर्वत, नई दिल्ली-110005	01-04-1988
6. दिल्ली/12489		मै० मैलोडी मार्केटिंग प्रा० लि, 308, मैगनम हाउस, कर्मपुरा कमिश्नरल काम्पलेक्स, अपोकिट मिलन सिनेमा, नई दिल्ली-15	01-07-1990
7. दिल्ली/13476		मै० लंडन हाउस, 826/6, मेन बाजार, महरौली, नई दिल्ली-110030	01-07-1991

1	2	3	4
8. दिल्ली/13361	मै० ट्रियो सिक्योरिटी एण्ड इन्सुरेंस प्रा० लि०, 1-36, छात्रधन नगर, फार्द, नई दिल्ली-110024		
9. दिल्ली/13404	मै० अमानत एसोसिएट्स 199/200, कराथ सार्किट, दिल्ली-110006		01-04-1991
10. दिल्ली/13046	मै० कून्स एक्शन फार डिवलपमेंट (इन्व्यूएन्स एंड ई०) "उषा किरन बिल्डिंग" ए-4/1, चौथी मंजिल, आजादपुर कमणियल कॉम्प्लेक्स, दिल्ली-110033		01-03-1991
11. दिल्ली/12451	मै० टाप एक्शन सिक्योरिटी सर्विसेज, 4/5914, देव नगर, करोल बाग, नई दिल्ली-110055		01-03-1990

अतः मै० बी० एन० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं को उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता हूँ जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शाई गई हैं।

बी० एन० सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सू० के० भ० नि० आ० 1 (4) दिल्ली (417)/92/2544 केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ गीत होता है कि निम्न-लिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोजन तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण संबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किया जाए।

क्र० सं०	कोड नं०	स्थापना का नाम व पता	व्यक्ति की तिथि
1	2	3	4
1	दिल्ली/14289	मै० एस० जी० एस० थामसन साइको इलेक्ट्रॉनिक्स (इंडिया प्रा० लि०), 3रा तल एफ० ब्लाक इंटरनेशनल ट्रेड टावर, नेहरू लेस, नई दिल्ली- 110019.1	1-10-91
2	दिल्ली/13214	मै० लिबरा फाइनेंस प्रा० लि०, बी-2 भागवतन, ओल्ड सन्जी मंडी दिल्ली-110054 इसके पंजीकृत कार्यालय सहित।	1-11-90
3	दिल्ली/11778	मै० डिस्ट्रिक्ट रूरल डेवलपमेंट एजेंसी, (दिल्ली प्रशा०) डी० बी० सी० बस टर्मिनल के पीछे मोरीगेट-दिल्ली	1-10-89
4	दिल्ली/11776	मै० सुप्रीम कोर्ट डिपार्टमेंटल कैंटीन सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया तिलक मार्ग, नई दिल्ली।	1-10-89
5	दिल्ली/11710	मै० सैड्यर ट्रेवल कन्सलटेट, सी-12, सफदरजंग डेवलपमेंट एरिया, नई दिल्ली-110016 बांधों सहित।	1-10-89
6	दिल्ली/11646	मै० निशात बिल्डर्स 65-ए, कमला नगर दिल्ली-110067	1-9-89
7	दिल्ली/11889	मै० एस० आर० जी० फाइनेंशियल एण्ड मैनेजमेंट कन्सलटेट प्रा० लि०, 6549, फुतब रोड, नई दिल्ली-55 बांधों सहित।	1-12-89
8	दिल्ली/14276	मै० क्रीयोटेव एम्प्लेक्स, ई-49/7, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया फेज-II, नई दिल्ली-110020, बांधों सहित	1-2-92
9	दिल्ली/14291	मै० सुमित इन्फार्मेशन टेक्नालॉजीस (प्रा०) लि० ए-18 ह्रीजबाम, नई दिल्ली-16 पंजीकृत कार्यालय सहित	1-3-92
10	दिल्ली/14093	मै० इंडियन एसोसिएशन आफ सोशल साइंसेस इंस्टीट्यूट द्वारा इंडीपेंडेंट आफ एंगलाइड रीनपावर रिसर्च, आई पी० स्टेट नई दिल्ली-110002	1-12-91

अतः मै. बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं को उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता है जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने बर्नाई गई है।

बी. एन. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. के. भ. नि. आ. 2 (4) डी. एल. (418)/92/2548-- केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित निवेदना तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किए जाएं।

क्र. सं.	कोड नं.	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1	2	3	4
1.	दिल्ली/11512	मै. कासमीत बुकसाइव प्रा. लि. 47/30 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-110008, इसके प्रशासनिक कार्यालय सीबी-231, रिंग रोड नारायणा सहित।	1-9-89
2.	दिल्ली/14113	मै. सिक्योरिटी एण्ड डिटेक्टिव, एफ-58, फेस-II, मायापुरी, नई दिल्ली-64	1-12-91
3.	दिल्ली/14227	मै. ग्रुप 3 सिक्योरिटी सर्विसज प्रूरो, 364, ए, विराग दिल्ली-17	1-1-92
4.	दिल्ली/13582	मै. शास्ता डिजाइन एक्सपोर्ट्स, ई-22, कनाट प्लेस, नई दिल्ली, सी-189, न्यू फेंडस कालोनी स्थित पैकट्री सहित।	1-8-91
5.	दिल्ली/16071	मै. एस. एम. ट्रेडिंग, 16, गली नं. 12, प्लाट नं. आरए-2, आनन्द पर्वत, इंडस्ट्रीयल, इस्टेट न्यू गेजेटक रोड, नई दिल्ली बाकों सहित।	1-1-89
6.	दिल्ली/13377	मै. एक्सपर्ट सिक्योरिटी सर्विस प्रा. लि., 70, बसन्त एम्प्लेय, न्यू दिल्ली-53	1-4-91
7.	डोएन/12686	मै. पोली हेल्थ्सन हार्डवियर सिस्टम प्रा. लि. बी-169, जीमला इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-I, नई दिल्ली 110020 वेल्डिंग स्थित इसके मुख्य कार्यालय सहित।	1-10-90
8.	दिल्ली/12551	मै. वी. एस. एंटरप्राइजिज, सी-8 मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-II, नई दिल्ली-110064	1-9-90
9.	दिल्ली/12632	मै. मोबिल एडिशनर्स प्रा. लि., 542/18, डा. जीपी रोड, करोल बाग, नई दिल्ली	1-12-89
10.	दिल्ली/13403	मै. अशोक इंटर्प्राइजिज, 199/200, क्लाय मार्किट, दिल्ली-6	1-4-91
11.	दिल्ली/12861	मै. एवरशाइन गुड हाउस कीपिंग सर्विसज, 62/ए, 10, लक्ष्मी मार्किट, मुनीरका, नई दिल्ली-63	1-1-91
12.	दिल्ली/7706	मै. सेक्टर फार डेवलपमेंट ऑफ टेक्नीमैटिक्स, 9वीं मंजिल, चक्रवर्त होटल, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-21 इसकी बाकों सहित।	25-8-84

अतः, मै. बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप-धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं को इस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करते हैं जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने बर्नाई गई है।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं० के० प्र० नि० आ० 1(4) अं० प्र० (420)/92/2552—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्न-लिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोजन तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किये जायें।

क्र० सं०	कोड नं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1.	आ० प्र०/21904	मै० एक्स आर्मी विजीलेंस सिन्धोरीडी सर्विसेज, डी नं० 7-143, पाटिल नगर साइबनगर, महबूब नगर डि०	1-5-91
2.	आ० प्र०/17106	मै० सुमगली साई सेक्टर, एम० जी० रोड, बीठागुहेम-50710	1-1-88

अतः मै० बी० एन० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप-धारा 4 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं को उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता हूँ जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शाई गई हैं।

बी० एन० सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं० के० प्र० नि० आ० 1(4) केरल/(422) 92/2558—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्न-लिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोजन तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किए जाएँ।

क्र० सं०	कोड नं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1.	केरल/12116	मै० बैल लीजिड एण्ड ड्रायर परचेस (प्रा०) लि०, पी० बी० नं० एस० 17775, जकेथ चैम्बरस, एम० जी० रोड, रवि- पुरम, कोचीन-16	1-10-89
2.	केरल/11887	मै० हिन्दुस्तान टैक्सटाइल्स, पी० ओ० अलाविल, अजीकोडी विलेज, कन्नूर डि०	1-11-91
3.	केरल/11585	मै० इंदिरा गांधी को-ऑप० हास्पिटल, पी० ओ० तेजीचेरी, तालुक तेजीचेरी, कनानूर डि०	31-7-89
4.	केरल/10951	मै० मार थेमोपीज वेरीटीज एण्ड ज्वेलरी, एम० जी० रोड, तिरुवर-680001, शाखाओं सहित।	1-9-87
5.	केरल/13073	मै० एलईई इंटरनेशनल (रजि०) क्लियरिंग एण्ड फॉरवर्डिंग एण्ड ट्रांसपोर्टिंग कम्प्यूटरस, पी० बी० नं० 902, पल्लुपी, कोचीन-6	1-8-89

अतः मै० बी० एन० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप-धारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं को उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता हूँ जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शाई गई हैं।

बी० एन० सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं० क्र० प्र० नि० आ० /1(4) उद्देशा (423)/92/2562—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापनाओं से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापनाओं पर लागू किये जायें।

क्र० सं०	कोड नं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1.	उद्देशा/4426	मै० समीर कस्तूरेशन, खवाजा स्ट्रीट बेशनपुर, डि० गन्जम।	30-9-91
2.	उद्देशा/3412	मै० बिजाय कुमार बहारा, कन्टेक्टर पी० ओ० सिकम्बा-755018, डि० कटक	30-6-87
3.	उद्देशा/1337	मै० अल्फा इलेक्ट्रिकल एण्ड कं० इंडस्ट्रियल इस्टेट, कटक-10	1-11-77
4.	उद्देशा/3157	मै० पी० के० दास, क्वार्टर नं० 4/2 टाइप-4 बी, यूनिट-1, भुवनेश्वर।	1-1-86

अतः मै० बी० एन० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापनाओं को उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करते हैं जो उक्त स्थापनाओं के नाम के सामने दर्शायी गई हैं।

बी० एन० सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं० के० प्र० नि० आ० 2(4) आ० प्र० (441)92/2566—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहाँ प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापना से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत हो गए हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापना पर लागू किए जाएं।

क्र० सं०	कोड नं०	स्थापना का नाम व पता	व्याप्ति की तिथि
1.	आ० प्र०/18810	मै० राघवेन्द्र स्वामी भठ, भंडालयम-518345, यम्मिगामूर तालुक, कुरनल जि० आ० प्र० शाखाओं सहित।	1-10-89

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापना को उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करता हूँ जो उक्त स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई हैं।

बी० एन० सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

अम बंगलाय

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली-110 001, दिनांक 27 अगस्त 1992

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजाम/89/भाग-1/2504—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजताओं ने (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूँकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारियों को कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवधारणा किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, ताकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-2 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना का प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना की क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त दिल्ली ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूँ।

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे नक्का रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निरीक्षण करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रसारण में, जिसके अंतर्गत सेवाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, सेवाओं का बन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी इनमें संशोधन

किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुबाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी या कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूते हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिफल के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संवाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन के कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उप सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रक्षक की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पानिसी के ध्वजन हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसे हक्दार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक साह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एन. आई./एकजाम/89/भाग-1/2512—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूँकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अलग या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए

कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-1 में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना की ओर 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

अनुसूची I

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	स्थापना को छूट देने के लिये भारत सरकार की अधिसूचना की सं० तथा तिथि	पहले से प्रदान की गई छूट की समाप्ति की तिथि	अवधि जिसके लिये और छूट दी गई	के० म० मि० आ० फाईल सं०
1.	मै० बलाज सेवा आश्रम लि० स्टेशन रोड उदयपुर	आरजे/38	2/1959/डी०एन०आई पाट-1 दि० 28-9-89	28-2-91	1-3-91 से 28-2-94	2/1944/88/ डी०एन०आई०
2.	मै० लक्ष्मी उद्योग 22-23 इन्डस्ट्रीयल एरिया जोधपुर	आरजे/1376	एस० 35014/45/87/ एस० एस० 11 दि० 7-5-87	6-5-90	7-5-90 से 6-5-93	2/1604/87/ डी०एन०आई०
3.	मै० ओरियन्ट सिन्टैक्स एस० पी० 147 इन्डस्ट्रीयल एरिया बीदाडी जिला असलर राजस्थान	आरजे/3648	2/1959/डी०एन०आई/ एकजाम/89/पाट-1 दिनांक 9-1-90	31-10-91	1-11-91 से 31-10-94	2/1944/88/ डी०एन०आई

अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विघ्न करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खंड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाभा का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें

संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबंध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वक्ता में संबंध होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्दिष्टों को प्रतिफल के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह पाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी का व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिगत की वक्ता में उन मृत सदस्यों के नाम निर्दिष्टों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तर-दायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्दिष्टों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/बी. एल. आई./एकजाम/89/भाग-1/2520—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए

कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-1 में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना की ओर 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मूल्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक

बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वृत्ति में संवेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निर्वेशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों के अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के

अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की वृत्ति में उन मृत सब्सिडियों के नाम निर्वेशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सब्सिड की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्वेशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोन
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

BANK OF INDIA

Bombay-400021, the 22nd July 1992...

Corrections to be made in the Notification Issued in Part-III-Section 4 of the Gazette of India No. 18 dated 2nd May, 1992

Page No.	Annexure	Regulation	Printed as	To be printed as
1930	1	23(viii)	23(viii)	Regulation 23(viii)
1930	1	41(4)	41(4)	Regulation 41(4)
1930	1	41(4)	raets	rates

Sd/-
Illegible

UNITED STATE OF INDIA

Calcutta, the 18th June 1992

ANNEXURE 'A'

REGULATION

No. HRD/PCR(E)27/92.—23(viii) On and from 1-1-1990, his working hours during a day are split with minimum in-

terval of 2 hours, a Split Duty Allowance of Rs. 35/- p.m.

41(4) On and from 1-6-1991 an officer in the Grades/ Scales set out in Column 1 of the Table below shall be entitled to Halting Allowance at the corresponding rates set out in column 2 thereof :

(1)	(2)		
	Mjor 'A' class Cities	Daily Allowance (Rupees) Area-I	Other places
Grades/Scales of Officers			
Officers in Scale IV and above	120.00	100.00	85.00
Officers in scale I/II/III	100.00	85.00	75.00

Provided that :

(a) Where the total period of absence is less than 8

hours but more than 4 hours, Halting Allowance at half the above rates shall be payable.

- (b) Officers in various Grades/Scales may be reimbursed the actual hotel expenses, restricting to single room

accommodation charges in ITDC Hotels, subject to the limits as given below :—

Grade/Scale of Officers	Eligibility to stay	Boarding Charges (Rupees)		
		Major 'A' Class Cities	Area-I	Other places
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
Scale VI & VII	4*Hotel	120.00	100.00	85.00
Scale IV & V	3*Hotel	120.00	100.00	85.00
Scale II & III	2*Hotel (Non-AC)	100.00	85.00	75.00
Scale I	1*Hotel (Non-AC)	100.00	85.00	75.00

- (c) Where lodging is provided at bank's cost/arranged through the bank free of cost, 3/4th of the Halting Allowance will be admissible.
- (d) Where boarding is provided at bank's cost, arranged through the bank free of cost, 1/2 of the Halting Allowance will be admissible.
- (e) Where lodging and boarding are provided at bank's cost/arranged through the bank free of cost, 1/4th of the Halting Allowance will be admissible. Where however an officer claims boarding expenses on a declaration basis without production of bills for actual expenses incurred, then he shall not be eligible for 1/4th of the Halting Allowance.

Regulation

- (f) On and from 1-1-1987 a Supplementary Diem Allowance of Rs. 10/- per day of halt outside headquarters on inspection duty shall be paid to all inspecting officers.

Explanation :

For the purpose of computing Halting Allowance 'Per Diem' shall mean each period of 24 hours or any subsequent part thereof, reckoned from the reporting time for departure in the case of air travel and the scheduled time of departure in other cases, to the actual time of arrival. Where the total period of absence is less than 24 hours, "per diem" shall mean a period of not less than 8 hours.

44(ii) On and from 1-6-1991 once in every 4 years when an officer avails of Leave Travel Concession he may be permitted to surrender and encash his Privilege Leave not exceeding one month at a time. Alternatively, he may whilst travelling in one block of two years to his home town and in other block to any place in India, be permitted encashment of Privilege leave with a maximum of 15 days in each block or 30 days in one block. For the purpose of leave encashment all the emoluments payable for the month during which the avallment of the Leave Travel Concession commences shall be admissible.

Provided that an officer at his option shall be permitted to encash one day's additional privilege leave for donation to the Prime Minister's Relief Fund subject to his giving a letter to the Bank to that effect and authorising the Bank to remit the amount to the Fund

Sd/- Illegible

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110 002, the 28th August 1992

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No 1-CA(7)/21/92.—The following draft of certain regulations further to amend the Chartered Accountants Regu-

lations, 1988, which the Council of the Institute of Chartered Accountants of India proposes to make, is hereby published, as required by sub-section (3) of Section 30 of the Chartered Accountants Act, 1949, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of 45 days from the date on which the copies of the official Gazette in which this notification is published are made available to the public;

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be taken into consideration by the said Council.

DRAFT REGULATIONS

1. These regulations may be called the Chartered Accountants (Amendment) Regulations, 1992.

2. In regulation 192 of the Chartered Accountants Regulations 1988, in the proviso,—

- (a) in clause (b), at the end, the word "and" shall be omitted.
- (b) in clause (c), at the end, for the words "property valued", the words "property valued; and" shall be substituted:
- (c) after clause (c), as so amended, the following clause shall be inserted, namely :—

"(d) in the case of a surveyor making survey for an insurance company, the fees may be based on a percentage of the result of the survey quantified in the final claim".

A. K. MAJUMDAR
Secretary

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS ACCOUNTANTS OF INDIA

Calcutta-700 046, the 26th August 1992

No. CWR(1)/87.—Whereas in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of Section 39 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, (23 of 1959), the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has resolved to make certain amendments further to amend the Cost and Works Accountants Regulations, 1959 :

And whereas the said Council, with the approval of the Central Government, has proposed the amendments specified below for the said purpose:

Now therefore in pursuance of sub-section (3) of Section 39 of the Cost and Works Accountants Act, 1959 (23 of 1959), the Council of the Institute of Cost and Works Ac-

countants of India publishes the said proposal for the information of the public likely to be effected thereby.

(2) Notice is hereby given that any person desiring to forward any objection or suggestions with respect to the said proposal may forward the same, for consideration by the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India within forty-five days from the date on which copies of Official Gazette are made available to the public to the Institute of Cost and Works Accountants of India, 12, Sudder Street, Calcutta-700 016.

DRAFT PROPOSAL

1. (1) These Regulations may be called the Cost and Works Accountants (Amendment) Regulations, 1991.

(2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

2. In regulation 54 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959 (hereinafter referred to as the Regulations), after the words "who are eligible to Vote at the election", the words "and are not employed by or under the Institute" shall be inserted.

3. In Regulation 117 of the Regulations, in Sub-regulation (1), after the existing proviso, the following proviso shall be inserted, namely :—

"Provided further that a member of the Institute in the Region who is employed by or under the Institute or its Regional Council shall not be eligible to stand for any election to the Regional Council".

S. R. ACHARYYA
Secretary

EMPLOYEES STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 12th August 1992

No. U-16/53/90-Med.II(AP).—In pursuance of the resolution passed by ESI Corporation, at its meeting held on 25th April, 1991 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the ESI (General) Regulation, 1950, I hereby authorise Dy. Director Insurance Medical Services Warrangal to function as medical authority w.e.f. 31-1-92 to 30-1-93 or till a full time Medical Referee joins, whichever is earlier, for Warangal and Sirpurkagagnagar Centre at a monthly remuneration as per existing norms, on the basis of number of insured persons for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

SMT. KUSUM PRASAD
Director General

The 20th August 1992

File No. D-11/19/NOIDA/90-GENL.—In exercise of the powers conferred by Section-3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Amendment Act, 1984 (35 of 1984) the Director General, ESI Corporation, Kotla Road, New Delhi-110 001, hereby appoints the officer mentioned below in column No. (1) of the table below, being the officer equivalent to the rank of Gazetted Officer of Government to be an Estate Officer for the purposes of the said Act who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed on Estate Officer by or under the said Act within the Local limits of their respective jurisdiction in respect of public premises specified in the corresponding entry in column (2) of the said table.

The Table

Designation of Officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction.
(1)	(2)
1. Director (Medical) NOIDA, Directorate (Medical), Noida, ESI Scheme, ESI Hospital, Sector-24, Noida-201301 (U.P.)	Public premises owned by the Employees' State Insurance Corporation (residential as well as non-residential) within the premises of ESI Hospital, Sector-24, Noida-201301 (UP) which are under his/her administrative control.

KUSUM PRASAD, Dir. General

EMPLOYEES' PROVIDENT FUND ORGANISATION CENTRAL OFFICE

New Delhi-1, the 24th August 1992

No. Conf.5 (12) 87/HR/2503.—In pursuance of Sub-paragraph (1) of paragraph 4 read with paragraph 5 of the Employees' Provident Fund Schemes, 1952 and in supersession of the Notification of the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi No. S.O. 2770 dated 2nd July, 1983, the Chairman, Central Board of Trustees, Employees' Provident Fund hereby sets up a Regional Committee for the State of Haryana consisting of the following persons namely :—

CHAIRMAN

1. The Financial Commissioner & Secretary to Government of Haryana, Labour & Employment Department, Chandigarh.

Appointed by the Chairman of the Central Board.

MEMBERS

2. Labour Commissioner, Haryana, Chandigarh
3. Joint Secretary to the Government of Haryana, Finance Department, Chandigarh.

Two Officials appointed by the Chairman of the Central Board on the recommendations of the State Government.

Do.

EMPLOYERS' REPRESENTATIVES

4. Shri D.R. Aggarwal,
M/s A.I.T. Mills, Bhiwani.
5. Shri Pawan Kumar Garg,
M/s Swastika Spinning Mill Panipat.
6. Shri R.K. Sircen,
M/s Billarpur Industries Ltd. Yamuna Nagar.
7. Shri Arun Kapoor,
Managing Director, The Atlas Cycle Ltd., Sonapat.
8. Shri Jatinder Mehta,
M/s Amex Auto, Gurgaon.

Five representatives of employers' appointed by the Chairman of the Central Board in consultation with the organisations of the employers in the State.

Do.

Do.

Do.

Do.

EMPLOYEES' REPRESENTATIVES

9. Shri Shyam Singh Chohan,
President, I.N.T.U.C. Nilam Chowk Faridabad.
10. Shri Raghbir Singh,
General Secretary, A.I.T.U.C. Assand Road, Panipat.
11. Shri Jagin Nath Gera,
President, B.M.S. Shaheed Chowk, Faridabad.
12. Shri Ram Kishan Shergil,
President, Hind Mazdoor Sabha, Bhatia Building, Railway Road,
Yamuna Nagar.
13. Shri Jagdish Singh,
Leader, INTUC, Haryana Breweries, Sonapat.
14. Regional Provident Fund Commissioner-in-charge of the Region shall be the Secretary of the Regional Committee.

Five representatives of employees' appointed by the Chairman of the Central Board in consultation with the organisations of employees in the State.

Do.

Do.

Do.

Do.

B.N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

The 28th August 1992

No. E.P.F.E. 2(4) DL(389)/192/2530—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely:—

S. No.	Code No.	Name and Address of the Estts.	Date of coverage
1.	DL/13757	M/s Chandi Process, Pvt. Ltd., 10, Rani Jhansi Road, Motilal Khan, New Delhi-110055	1-9-91
2.	DL/13726	M/s Hira Enterprises 76, Shipur Shalimar Bagh, Delhi-110052.	1-10-91
3.	DL/13723	M/s Bell Private Investigatives & Security services, 126, Savitri Nagar, New Delhi-17	1-9-91
4.	DL/13516	M/s Potable Caterers B-5, Model Town-II Delhi-110009	1-7-91
5.	DL/13840	M/s Mehra Holdings (P) Ltd., Mehra Bhawan, 2795-98 Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi-110005	1-10-91
6.	DL/13625	M/s Serval Security Services T-282, General Market, Pather Ganj, New Delhi-110055	1-9-91
7.	DL/13322	M/s Gupta Sales Corporation B-18, Okhla Industrial Area, Phase-I New Delhi-110020	1-1-91
8.	DL/13047	M/s Sana Engineers (India) Pvt. Ltd., 167, Zakir Bagh, Okhla Road, New Delhi-25.	1-3-91
9.	DL/12444	M/s Excellent Services, 11-A/39, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi-5.	1-6-90
10.	DL/13381	M/s Tyagi Brothers Pvt. Ltd., 5266, Simdhani Marg, Ajmeri Gate, Delhi-110006.	1-4-91

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, I, B.N. Som Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

(B. N. SOM)
Central Provident Fund Commissioner

No. CPFC 1(4) AP (413)/92/2534.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to their respective establishments namely :—

S.No.	Code No.	Name and Address of the Estts.	Date of coverage
1.	AP/20383	M/s The Godicherla Primary Agricultural Co-operative Credit Society Ltd., No. 3876 Godicherla, Nakkapalli Mandalam, Visakhapatnam District.	1-11-91
2.	AP/20354	M/s Parameswara Knittings, Tadepalligudem-534101 West Godavari Dist. A.P.	1-9-91
3.	AP/20361	M/s Malhotra Enterprises, Indira Colony, Sriharipuram, Visakhapatnam-530001 (including its branches)	1-9-91
4.	AP/21917	M/s Ushakiron Enterprises 1-10-76, Fair Field, Begumpet, Hyderabad-500016	1-7-91
5.	AP/21770	M/s Universal Transport Corporation 108/3, Walker Town, Secunderabad-500025.	1-1-91
6.	AP/21947	M/s Lakshmi Process, 11-5-422/C/B/2, Red Hills, Hyderabad-500004.	1-4-91
7.	AP/21824	M/s Jahangir & Associates 401, 4th Floor, Divya Shakti Complex, Ameerpet, Hyderabad-500016.	1-9-91
8.	AP/21855	M/s Anju Enterprises, A-2/3, B.H.E.L. Ancillary, Ramchandrapuram-500032 A.P.	1-11-91
9.	AP/22009	M/s Bhaleji Wines, 4/9, Nagarajpet, Cuddapah 516001.	1-11-91

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act I.B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. C.P.F.C. 1 (4) DL(414)/92/2540.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to their respective establishments namely :—

S.No.	Code No.	Name and Address of the Estts.	Date of coverage
1.	DL/13247	M/s Security & National Services 253-B, Shahpur Jat, Near Panchsheel Office Complex, New Delhi-110016	1-3-91
2.	DL/13640	M/s Brushman Industries B-95/3, Phase-I Naraina Industrial Area New Delhi-28	4-9-91
3.	DL/113589	M/s Colonel's Intelligence & Security Net Work B-25, Ansel Chambers-I, 3, Bhikaji Cama Place, New Delhi-110066	1-6-91
4.	DL/13670	M/s Tombii Organoschem Pvt. Ltd. 1205-A, New Delhi House 27, Barakhamba Road, New Delhi-110001 (including Plant at 33, New Okhla Industrial Complex Phase-II Scheme-III, New Delhi-110020.	1-9-91
5.	DL/9070	M/s Tradex Horticulturist, 389, Than Singh Nagar, Anand Purbat, New Delhi-110005.	1-4-88
6.	DL/12489	M/s Medley Marketing Pvt. Ltd. 308, Magnum House-I Karampura, Commercial Complex, opposite Milan Cinema, New Delhi-110015.	1-7-90
7.	DL/13476	M/s London House. 826/6, Main Bazar, Mehrauli, New Delhi-110030.	1-7-91
8.	DL/13361	M/s Trio Security & Intelligence Pvt. Ltd. 1-36, Lajpatnagar Ist, New Delhi-110024.	1-3-91
9.	DL/13404	M/s Amanat Associates, 199/200, Cloth Market, Delhi-110006.	1-4-91
10.	DL/13046	M/s Women's Action for Development (WCFD) "Usha Kiran Building A-4/1, 4th Floor, Azadpur commercial Complex, Delhi-110033.	1-3-91
11.	DL/12451	M/s Top Action Security Services 4/5914, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi-110005.	1-3-90

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. C.P.F.C. 1 (4) DL (417)/92/2544.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers & the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely :—

S.No.	Code No.	Name & Address of the estts.	Date of coverage
1.	DL/14289	M/s S.G.S. Thomson Micro-Electronics (India) P. Ltd. 3rd floor, F-block, International Trade Tower, Nehru Place, New Delhi-110019	1-10-91
2.	DL/13214	M/s Libra Finance Pvt. Ltd. B-2, Bhargave Lane, Old Subzi Mandi, Delhi-110054. (including its Regd. Office.)	1-11-90
3.	DL/11778	M/s District Rural Development Agency (Delhi Administration) Opp. D.T.C. Bus Aerminal Morigate, Delhi.	1-10-89
4.	DL/11776	M/s Supreme Court Departmental Canteen Supreme Court of India, Tilak Marg, New Delhi.	1-10-89
5.	DL/11710	M/s Landair Travel Consultants, C-12, Safdarjung Development Area, New Delhi-110016. (including its branches)	1-10-89
6.	DL/11646	M/s Nishant Builders 65-A, Kamla Nagar, Delhi-110007	1-9-89
7.	DL/11889	M/s S.R.G. Financial & Management Consultants P. Ltd., 6549, Qutab Road, New Delhi-110055 (including its branches.)	1-12-89
8.	DL/14276	M/s Creative Impex E-49/7, Okhla Industrial Area, Ph. II, New Delhi-110020. (including its branches)	1-2-92
9.	DL/14291	M/s Summit Information Technologies (P) Ltd. C-18, Hauz Khas, New Delhi-16 Including its Regd Office.	1-3-92
10.	DL/14093	M/s Indian Association of Social Science Institution C/o Institute of Applied Manpower Research, I. P. Estate, New Delhi-110002	1-12-91

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, I, B. N. Som Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. CPFC 1(4) DL (418)/92/2548.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers & the majority of the employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely :—

S.No.	Code No.	Name & address of the estts.	Date of coverage
1	2	3	4
1.	DL/11512	M/s. Cosmos Bookhive P. Ltd., 47/30, East Patel Nagar, New Delhi-110008 including its Adm. Office at CB-231, Ring Road, Naraina, New Delhi	1-9-1989
2.	DL/14113	M/s. Security & Detectives, F-58, Phase-II, Mayapuri, New Delhi-110064.	1-12-1991
3.	DL/14227	M/s. Group 3 Security Services Bureau, 364 A, Chirag Delhi, New Delhi-17.	1-1-1992
4.	DL/13582	M/s. Shanti Design Exports, E-22, Connaught Place, New Delhi-1 including factory at C-599, New Friends Colony, New Delhi.	1-8-1991

1	2	3	4
5.	DL/10071	M/s. S.M. Trading Co., Gali No. 12 Plot No. RA3, Anand Parbat, Industrial Estate, New Rohtak Road, New Delhi, including branches.	1-1-1989
6.	DL/13377	M/s. Expert Security Services Pvt. Ltd., 70 Basant Enclave, New Delhi-110057	1-4-1991
7.	DL/12686	M/s. Polyhydron Hydraulic System (P) Ltd., B-169, Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi-110020 including its Regd. Office at Belgium.	1-10-1990
8.	DL/12551	M/s. V.S. Enterprises, C-8, Mayapuri Industrial Area, Phase-II, New Delhi-110064.	1-9-1990
9.	DL/12652	M/s. Nobel Publishers Pvt. Ltd., 542/16, Dr. Joshi Road, Karol Bgh, New Delhi.	1-12-1990
10.	DL/13403	M/s. Ashok Enterprises, 199/200, Cloth Market, Delhi-110006.	1-4-1991
11.	DL/12861	M/s. Evershine Good House Keeping Services, 62/A/10, Laxmi Market, Munirka, New Delhi-110067	1-1-1991
12.	DL/7706	M/s. Centre for Development of Telematics, 9th Floor, Akbar Hotel, Chanakyapuri, New Delhi-110021, including its branches.	25-8-1984

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, I, B.N. Som, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

B.N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. CPFC. 1 (4)/AP (420)/92/2522.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers & the majority of the employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely :—

S.No.	Code No.	Name & address of estts.	Date of coverage
1.	AP/21904	M/s. Ex-Army Vigilance Security Services, D.No. 7-143, Patil Road, Shadnagar, Mahabubnagar Dist.	1-5-1991
2.	AP/17106	M/s. Samangdi Sree Centre M.G. Road, Kothagudem-50700.	1-1-1988

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section (4) of Section 1 of the said Act, I, B.N. Som, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. CPFC 1 (4) KR (422)/92/2556.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments namely :—

S.No.	Code No.	Name & Address of the Estts.	Date of coverage
1.	KR/13116	M/s. Bell Leasing & Hire Purchase (P) Ltd., P.B. No. 1775, Chakiath Chambers, M.G. Road, Ravipuram, Cochin-16.	1-10-89
2.	KR/11887	M/s. Hindustan Textiles, P.O. Alavil, Azhikodi Village, Kannur Dist.	1-11-91
3.	KR/11585	M/s. Indira Gandhi Co-op. Hospital, P.O. Tellicherry, Taluk Tellicherry, Cannanore Dist.	31-7-89
4.	KR/10951	M/s. Mar Themotheus, Charities & Chitties, M.G. Road, Trichur-630001 including its branches.	1-9-87
5.	KR/13075	M/s. ACE International (Regl.), Clearing & Forwarding & Transporting Contractors, P.B. No. 902, Palluruthy, Cochin-6.	1-9-89

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, I, B.N. Som, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. CPFC 1 (4)/OR (423)/92/2562.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employers & the majority of the employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the respective establishments namely:—

S.No.	Code No.	Name & Address of the Estts.	Date of coverage
1	2	3	4
1.	OR/4426	M/s. Samir Construction, Khaja Street, Beshanpur Dist. Ganjam	30-9-91
2.	OR/3412	M/s. Bijoy Kumar Behura, Contractor, P.O. Sukinda-755018, Dist. Cuttack.	30-6-87
3.	OR/1337	M/s. Alfa Electrical & Co., Industrial Estate, Cuttack-10.	1-11-77
4.	OR/3157	M/s. P. K. Das, Q. No. 4/2, Type-IV B, Unit-I, Bhubaneswar	1-1-86

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, I, B.N. Som, Central Provident Funds Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. CPFC 1(4) CP (441)/92/2566.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner the employers & the majority of the employees, in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment namely:—

S.No.	Code No.	Name & address of the Estts.	Date of coverage
1.	CP/18810	M/s. Sri Raghavendra Swamy Mutt, Mantralayam-518345, Yemmiganur Tq. Kuranol Dist.	1-10-1989 A.P. including its branches

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, I, B.N. Som, Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act to the above mentioned establishments from and with effect from the date mentioned against the name of the said establishment.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exempt/89/ Pt.-I/2504.—WHEREAS, the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2 (A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner am satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of

India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Delhi from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM

Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959 DLI/Exemp/89/Pt.I/2512.—WHEREAS, the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act.)

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, am satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said Establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

Region Rajasthan

S.No.	Name & Address of the estab.	Code No.	No. & Date of the Govt. Notification vide which earlier was exempt granted extended.	Date of expiry of earlier exemption	Period for expemption further extended	C.P.F. C8s File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Brij Sevashram Ltd., Station Road, Udaipur, Rajasthan.	RJ/38	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I/dated 28-9-89	28-2-91	1-3-91 to 28-2-94	2/1944/88/DLI
2.	M/s. Laxmi Udyog, 22, 23, Industrial Area Jodhpur.	RJ/1376	S-35014/45/87/SS. II/ dated 7-5-87.	6-5-90	7-5-90 to 6-5-93	2/1609/87/DLI
3.	M/s. Orient Syntex, SP-147 Industrial Area, Bhiwadi Distt. Alwar, Rajasthan.	RJ/3648	2/1959/DLI/Exem/89/pt. I dated 9-1-90	31-10-91	1-11-91 to 31-10-94	2/1944/88/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heirs(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/EDLI/Exempt./89 Pt. 1/2520.—WHEREAS The employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) :

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner am satisfied that the employees of the said establishment is, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

UNIT TRUST OF INDIA

Bombay, the 20th August 1992

No. UT/DBDM/405A/SPD 72A/92-93.—The Provisions of the Deferred Income Unit Scheme 1992 (DIUS-92) formulated under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 approved by the Executive Committee in the Meeting held on 16th July 1992 are published herebelow.

DEFERRED INCOME UNIT SCHEME—1992

In exercise of the powers conferred by Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963), the Board of the Unit Trust of India hereby makes the following Unit Scheme.

I. Short Title and Commencement—

1. The Scheme shall be called the Deferred Income Unit Scheme-1992. There shall be an option under the scheme to participate either for Deferred Income or capital growth for a period of 5 years. The provisions of the scheme will be applied to both option and where the provisions vary details are given accordingly.

2. It shall come into force from 10-8-1992 and shall be for a period of 5 years.

3. The offer of units under the scheme will be open for 20 days from 10-8-1992 to 29-8-1992 (both days inclusive).
4—239 GI/92

Provided that the Chairman or the Executive Trustee may suspend the offer of units under the scheme at any time before the expiry of aforesaid period or extend the period of offer beyond the aforesaid period by giving a week's notice in such newspapers as may be decided.

II. Definitions—

In this Scheme, unless the context otherwise requires :—

- (a) The "Act" means the Unit Trust of India Act 1963;
- (b) "acceptance date" with reference to an application made by an applicant to the Trust for sale of units by the Trust means the day on which the Trust, after being satisfied that such application is in order accepts the same;
- (c) "Applicant" under the scheme shall mean and include individuals and eligible Institutions as more particularly described in paragraph IV hereof.
- (d) "eligible Institution" means an eligible Trust defined under the Unit Trust of India General Regulations 1964 and shall include private trust created by an instrument in writing and which is irrevocable.
- (e) "number of units" in issue means the aggregate of the number of units sold and outstanding;
- (f) "recognised stock exchange" means a stock exchange which is, for the time being recognised under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956);
- (g) "Regulations" means Unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43(1) of the Act;
- (h) "Society" means a Society Registered under the Societies Registration Act of 1860 or any other society established under any state or central law for the time being in force.
- (i) "Unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital.
- (j) all other expressions not defined herein but defined in the Act shall have the respective meanings assigned to them by the Act.

III. Face Value of each Units—

The face value of each unit shall be ten rupees. Applications shall be in multiples of 100 units subject to a minimum of 200 units. There is no maximum limit.

IV. Application for units—

- (a) Application for units may be made by residents only viz.
- (b) Individuals either singly or with another individual on joint/either or survivor basis.
- (c) a parent, step-parent or other lawful guardian on behalf of a minor. An application cannot be made by an adult and minor jointly.
- (d) an eligible institution as defined under the scheme;
- (e) a society as defined under the scheme.
- (f) Hindu Undivided families.
- (g) Bodies Corporate (excluding Companies).

(2) Applications shall be made in such form as may be approved by the Chairman/Executive Trustee of the Trust.

(3) The payment for the units applied for by an eligible person shall be made by him along with the application in cash, cheque or draft. Cheques and drafts should be drawn on branches of banks within the city where the office at which the application is tendered is situated. If the payment is made by cheque, the acceptance date will, subject to such cheque being realised, be the date on which the cheque is received by the Trust or by a branch of a designated bank. If payment is made by draft the acceptance date will, subject to such draft being realised, be the date of issue of such draft provided the application is received by the Trust or a branch of a designated bank within a reasonable time.

A unit certificate will be sent by registered post with or without acknowledgement due to the address given by the applicant and the Trust will not incur any liability for the loss, damage, misdelivery, or non-delivery of the certificate, so sent.

F. Offer of units—

The offer of units under the Scheme shall be open for a period of 20 days commencing from 10-8-1992 to 29-8-1992 (both days inclusive). The Trust reserves the right to close the offer before the stipulated date. Applications received after the close of business hours on 29-8-1992 and subsequently at any of the offices of the Trust or other bank branches shall be deemed invalid and rejected.

VI. Repurchase of units :—

The Trust shall not repurchase units during the currency of the scheme.

However, in the event of death of the unitholder or premature repurchase the Trust shall repurchase the units standing to the credit of the unit holder in the following manner :

Deferred Income

The units will be repurchased at par. The claimant/unitholder will also be entitled to 4% per completed quarter less any dividend received under this option.

Cumulative Option

The units will be repurchased at par. The claimant/unitholder will also be entitled to 45% per completed quarter.

VII. Restrictions on offer and repurchase of units :—

Notwithstanding anything contained in any provision of the Scheme, the Trust shall not be under an obligation to offer or repurchase units—

- (i) on such days as are not working days; and
- (ii) during the period when the register of unitholders is closed in connection with (as notified by the Trust) the annual closing of the books and accounts.

Explanation :—

For the purpose of this scheme, the term "working day" shall mean a day which has not been either (i) notified under the Negotiable Instruments Act, 1881, to be a public holiday in the State of Maharashtra or such other states where the Trust has its offices; or (ii) notified by the Trust in the Gazette of India as day on which the office of the Trust will be closed.

VIII. Offer and repurchase prices :—

(1) The unit shall be offered at Rs. 10/- during August 10, 1992 to August 29, 1992.

(2) In the event of a termination of the scheme in the manner specified in Clause XXV hereof the Trust shall determine the repurchase price by valuing the assets pertaining to the scheme as at the close of business on the date notified for termination reduced by the liabilities pertaining to the scheme and dividing them by the number of units outstanding and deducting therefrom such sum as in the opinion of the Trust is adequate to cover brokerage, commission taxes, if any, stamp duties and other charges in relation to realisation of investments by the Trust and other adjustments and the distribution to the unitholders of the assets in respect of the scheme. In such an event the repurchase price shall bear in addition to the par value the other distributable component of the asset per unit arrived by the Trust in a manner satisfactory to its auditors and as the Board may approve.

IX. Publication of final repurchase price :—

(a) Upon termination of the Scheme in the manner provided in clause XXV, hereof the Trust shall as early as possible after determining the final repurchase price publish it in such manner as it may deem fit.

X. Valuation of assets pertaining to this Scheme :—

(1) For the purpose of valuation of assets under sub-clause (2) of Clause IX, the assets shall be classified into (A) cash.

(B) Investments, and (C) other assets.

(2) Investments shall be valued by taking :

A. (a) the closing prices on the stock exchange as on the working day on which the valuation is made of the securities held by the Trust pertaining to this Scheme, provided where a security is quoted on more than one stock exchange the manner of determining the price of such security shall be decided by the Trust.

(b) where any investment was not, during the relevant period, dealt in, or quoted on any recognised stock exchange, such value, as the Trust may, in the circumstances consider to be fair value of such investment, and

B. (a) In the case of interest earning deposits, interest accrued but not received.

(b) In the case of Government securities and debentures, interest accrued but not received, and

(c) In the case of preference shares and equity shares quoted ex-dividend any dividend declared but not received.

(3) Other assets shall be valued at their book value.

XI. Form of unit certificate :—

Unit Certificates shall be in Form A annexed hereto. Each unit certificate shall bear a distinctive number, the number of units represented by the certificate and the name of the unitholder.

XII. Manner of preparation of unit certificate :—

The Unit Certificates may be engraved or lithographed or printed as the Board may, from time to time, determine and shall be signed on behalf of the Trust by two persons duly authorised by the Trust. Every signature may either be autographic or may be effected by a mechanical method. No unit certificate shall be valid unless and until it is so signed. Unit Certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon, may have ceased to be a person authorised to sign unit certificates on behalf of the Trust. Provided that should the unit certificate so prepared contain the signature of an authorised person who however is dead at the time of issue of the certificate; the Trust may by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The Unit Certificate so issued shall also be valid.

XIII. Trust not to be recognised regarding unit certificates :—

The person who is registered as the holder and in whose name a unit certificate has been issued shall be the only person to be recognised by the Trust as the unitholder and as having any right, title or interest in or to such unit certificate and the units which it represents; and the Trust may recognise such unitholder as the absolute owner thereof and shall not be bound by any notice to the contrary or to take notice of the execution of any trust or save as herein expressly provided or as by some court of competent jurisdiction ordered to recognise any Trust or equity or other interest affecting the title to any unit certificate or the units thereby represented.

XIV. Exchange of Unit Certificate and procedure when the certificate is mutilated, defaced, lost etc.

(1) In case any unit certificate shall be mutilated or worn out or defaced, the Trust at its discretion, may issue to the person entitled a new unit certificate representing the same aggregate number of units as the mutilated or worn or defaced unit certificate. In case any unit certificate should be lost, stolen or destroyed, the Trust may, at its discretion, issue to the person entitled a new certificate in lieu thereof. No such new certificate shall be issued unless the applicant shall previously have

(i) Furnished to the Trust evidence satisfactory, to it of the mutilation, wearing out, defacement loss, theft or destruction of the original unit certificate.

(ii) Paid all expenses in connection with the investigation of the facts.

(iii) In case of mutilation or wearing out or defacement produced and surrendered to the Trust and mutilated or worn out or defaced unit certificate; and

(iv) Furnished to the Trust such indemnity as it may require. The Trust shall not incur any liability for issuing such certificate in good faith under the provisions of this clause.

(2) Before issuing any certificate under the provisions of this clause, the Trust may require the applicant for the unit certificate to pay a fee of Rupee one per unit certificate issued by it together with a sum sufficient in the opinion of the Trust to cover stamp duty, if any, or other charges or taxes including postal registration charges that may be payable in connection with the issue and despatch of such certificate.

XV. Register of unitholders:—

The following provisions shall have effect with regard to the registration of unitholders:

1) A register of unitholder shall be maintained and there shall be entered in the register:

- (a) the name and addresses of the unitholders;
- (b) the distinctive number of the unit certificate and the number of units held by every such person; and
- (c) the date on which such person became the holder of the units in his name.

(2) (a) If a unit certificate stands registered in the name of two persons, such persons shall be deemed to hold the certificates jointly and a discharge by the person first named in the register of the unitholders shall, as regards receipt of amount due in respect of such amounts,

(b) Where two individuals, none of them being a minor, apply for issue of a unit certificate in their favour and request in the application that either of them should be permitted to deal with the units, the Trust shall record in its books suitable entries to take note of such requests and when a unit certificate has been issued in such circumstances, then either of the holders shall be entitled to deal with the units represented by such certificate, and a discharge by either of such persons shall, as regards receipt of amounts due in respect of such units, discharge the Trust in respect of such amounts.

Provided that the income distribution declared in respect of the units represented by such certificates shall be paid to the person first named in the register of unitholders.

(3) Any change of name or address on the part of any unitholder shall be notified to the Trust, which, on being satisfied of such change and on compliance with such formalities as it may require, shall alter the register accordingly.

(4) Except when the register is closed in accordance with the provisions in that behalf hereinafter contained, the register shall during business hours (subject to such reasonable restrictions as the Trust may impose but so that not less than two hours on each business day shall be allowed for inspection) be open to inspection by any unitholder without charge.

(5) The register will be closed at such times and for period as the Trust may from time to time determine provided that it shall not be closed for more than 60 days in any one year; the Trust shall give notice of such closure by advertisement in such newspaper as the Board may direct.

No notice of any trust express, implied or constructive shall be entered in the register in respect of any unit.

XVA. Application by and Registration of eligible institutions minors.

1. Eligible institutions, body corporate, and societies (including co-operative societies) may be registered as unitholders.

2. An adult, being a parent, step-parent or other lawful guardian of a minor hold units and deal with them in accordance with and to the extent provided, in sub-section (2A) of Section 21 of the Act. Such adult if so required shall furnish to the Trust, in such manner as may be specified, proof of the age of the minor and the capacity to hold and deal with units on behalf of the minors. The Trust shall be entitled to act on the statements made of such adult in the application form without any further proof.

3. Eligible institutions, body corporate or societies shall whenever required submit to the Trust all the relevant document showing the applicants' competence to invest in units such as Memorandum and Articles, Bye-laws etc. certified authorising the office bearer copy of the resolution of the managing body and a copy of the requisite power of attorney.

XVI. Receipt by unitholder to discharge Trust:

The receipt of the unitholder for any moneys paid to him in respect of the units represented by the certificate shall be a good discharge to the Trust.

XVII. Death or bankruptcy of a unitholder:

(1) In case of death of either of the joint holders of a unit certificate, the survivor shall be the only person recognised by the Trust as having title to or interest in the units represented by the unit certificate. Provided that nothing herein contained shall affect any right which any other person may have as against such survivor in respect of the said units.

(2) In the event of death of a single holder or joint holder the nominee shall be the person recognised by the Trust as the person entitled to the amount payable by the Trust in respect of units under the Regulations.

(3) In the absence of a valid nomination by unitholders, the executor or administrators of the deceased unitholder or a holder of succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) shall be the only persons who may be recognised by the Trust as having any title to the unit.

(4) Any person becoming entitled to a unit consequent upon the death or bankruptcy of a unitholder may, upon producing such evidence as to his title, as the Trust shall consider sufficient, be paid the repurchase value of all units to the credit of the deceased at par or at such rate as may be determined by the Trust after the formalities in connection with the claim have been complied with by the claimant. In the event the nominee under the unit certificate is a person eligible to hold units then at the desire of the said nominee, the nominee may instead of receiving the repurchase value of all units to the credit of the deceased shall be permitted to hold the units as a unitholder and continue to remain registered as a unitholder and shall be issued a unit certificate in his name in respect of units so desired to be held subject to the condition regarding minimum holdings.

XVIII. Application on behalf of Minor :—

(1) An adult individual being a parent, step-parent or other lawful guardian or a minor may apply for the units and deal with them in accordance with and to the extent provided in sub-section (2A) of Section 21 of the Act and in this scheme.

(2) Such an adult while applying for units shall furnish to the Trust in such manner as may be specified, proof of age of the minor and the capacity to hold and deal with units on behalf of the minor.

Provided that the Trust shall be entitled to act on the statements made by such adult in the application form without any further proof.

XIX. Transfer of Units :—

(1) Every unitholder shall be entitled to transfer the units or any of the units held by him by an instrument in writing in a form approved by the Chairman of the Trust provided that no transfer shall be registered if the registration thereof would result in the transferor or the transferee being a holder of a number of units not being a multiple of ten.

(2) Every instrument of transfer shall be signed by the transferor and the transferee and the transferor shall be deemed to remain the holder of the units transferred until the name of the transferee is entered in the register in respect thereof.

(3) Every instrument of transfer shall be duly stamped (if under the law it requires to be stamped and left with the Trust for registration along with the relevant unit certificate or certificates and such other evidence as the Trust may require in support of the title of the transferor or his right to transfer of units. For purposes of calculation of the value of stamps to be affixed, the value of each unit shall be Rs. 10/- i.e. at par. If the instrument of transfer is not adequately stamped, the Trust reserves the right to reject the instrument of transfer.

(4) Every instrument of transfer shall be lodged with the Trust for registration at least a month before the period of closure of books (twice a year) along with the relevant certificate. If the transfer is registered in the books of the Trust after the period of book closure as the case may be the dividend accruing for the relative half year will be paid to the transferor.

(5) When the units are issued in the official name, they shall be deemed to be transferred without any instrument of transfer from each holder of the office to the succeeding holder of the office on and from the date on which the latter takes charge of the office. When the holder of the office transfers the units so held to a person not being his successor in office the transfers shall be made by an instrument of transfer signed by the holder of the office under the name of the office.

XX. Nomination by unitholders :—

(1) Unitholders holding units singly or two unitholders holding jointly may exercise the right to make or cancel a nomination to the extent provided in the Regulations.

(2) Unitholders being either parent or lawful guardian on behalf of a minor, an eligible institution, HUFs and Bodies Corporate shall have no right to make any nomination.

XXI. Investment Limits :

(1) Investments by the Trust from the funds of the Scheme in the securities of any one corporation shall not exceed 15% of the securities issued and outstanding of such corporations.

Provided that the aggregate of such investment in the capital initially issued by new industrial undertakings shall not at any time exceed 5% of the total amount of the said funds.

(2) The limits prescribed under sub-clause (1) shall not apply to investments of the Trust in bonds, deposits and debentures of a company whether secured or not.

XXII. Income Distribution :—**(i) Deferred Income Option**

The Trust shall not declare any dividend under the scheme for the first two years of the scheme. Thereafter dividend will be declared at the rate of 28% p.a. on quarterly basis for the third, fourth and fifth year of the scheme respectively.

The income distribution for each quarter shall be made payable at the beginning of that quarter and will be paid by the Trust under such prepayment arrangements by means of income distribution warrants or any instrument encashable at par at the branches of such bank as the Trust may specify. Income Distribution warrants shall be forwarded to the Unitholder in advance for the third, fourth and fifth years.

Every warrant shall have a validity period for three months. The Trust shall not be bound to pay interest in the event of any of the warrants not reaching the unitholders before the expiry of validity period or in the event of their becoming stale. In the event of death of the unitholder if the sole nominee is eligible to hold the units and desires to continue to hold the units then the sole nominee shall be bound to return all the unencashed warrants for the future quarters for necessary rectification.

However, such a nominee desiring to continue to hold the units shall not be entitled to any interest or any compensation during the period it takes the Trust to rectify the warrants directly issued in favour of the deceased unitholder to those in favour of the newly admitted unitholder.

Capital Growth Option .

A unitholder exercising his right to participate under this option will not receive the dividend. At the end of the 5 year period units standing to the credit of the unitholder shall be repurchased at a repurchase price of not less than Rs. 21/- per unit.

Bonus

Under both the option, bonus will be declared at the end of 4th year which will be payable on maturity.

XXIII. Publication of accounts :—

The Trust shall as soon as may be after the 30th June of each year cause to be published in such manner as the Board may decide, accounts in the manner specified by the Board, showing the working of the scheme during the period ending on 30th June. The Trust shall, on request in writing received from a unitholder, furnish him a copy of the accounts so published.

XXIV. Additions and amendments to scheme:—

FORM—A

EMBLEM

UNIT TRUST OF INDIA

The Board may from time to time add to or otherwise amend this scheme and any amendment thereof will be notified in the Official Gazette.

XXV. Termination of the Scheme:—

(Incorporated under the Unit Trust of India Act, 1963)

5 YEAR DEFERRED INCOME UNIT SCHEME-1992

(Clause XII)

The Scheme shall stand finally terminated on 31-8-1997. The outstanding units of the unitholders shall be repurchased and the unitholders shall be paid the value of their units at the repurchase price fixed for the final repurchase during the above period. Besides receiving the repurchase price determined, no further benefit of any kind either by way of increase in the repurchase value or by way of dividend for any subsequent period shall accrue and the repurchase value will be paid by the Trust as early as possible after the unit certificate with the form on the reverse thereof duly completed has been received by it. The Unit Certificate received for repurchase shall be retained by the Trust for cancellation.

Unit Certificate No.	No. of Units
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____

XXVI. Scheme to be binding on unitholders:—

The terms of this scheme, including any amendments thereof from time to time, shall be binding on each unitholder and every other person claiming through him as if he had expressly agreed that they should be so binding.

This is to certify that the person/s named in this Certificate is/are the Registered Holder/s of—

XXVII. Suspension or closure of sales:—

Sale of units under this scheme may be suspended or closed by the Trust at any time after giving notice of seven days in important daily newspapers of its intention to do so

Units, each of the face value of Rupees Ten, subject to the provisions of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963), the Regulation framed thereunder and the 5 year Deferred Income Unit Scheme-1992.

XXVIII. Copy of Scheme to be made available:—

A copy of this scheme incorporating all amendments thereto shall be made available for inspection at the offices of the Trust at all times during its business hours on payment of a sum of Rs. 5/-.

Name/s

For UNIT TRUST OF INDIA

Date: _____

The Scheme shall stand finally terminated on 31/8/97.

TRANSFERABLE

XXIX. Benefits to the unitholders:—

All benefits accruing under the Scheme in respect of capital reserves and surpluses if any available at the time of the closure of the scheme shall be distributable only among the unitholders who hold the units at its closure.

FORM OF APPLICATION FOR REPURCHASE OF
UNITS UNDER DEFERRED INCOME UNIT SCHEME
1992

To,

Date: _____

XXX. Power to construe provisions:—

Should any doubt arise as to the interpretation of any of the provisions of the scheme, Chairman or in his absence the Executive Trustee shall have powers to construe the provisions of the Scheme, in so far such construction is not in any manner prejudicial or contrary to the basic structure of the Scheme and such decision shall be final and conclusive.

The Unit Trust of India

I/We _____

XXXI. Relaxation/Variation/Modification of provisions:—

The Chairman or in his absence the Executive Trustee of the Trust in order to mitigate hardships or for smooth and easy operation of the Scheme, relax, vary or modify any of the provisions of the scheme in case of any unitholder, or class of unitholders upon such conditions as may be deemed expedient.

am/are the registered holder(s) of _____ units of the Deferred Income Unit Scheme (DIUS-92) of the Unit Trust of India. I/We am/are, desirous of selling to the Trust all the said _____ units and offer the same for repurchase by the Unit Trust of India at par/at the repurchase price prevailing/determined by the Trust in respect of this application.

The price of the units may be paid to me by *cash/cheque/
bank draft at my cost.

Signature of Witness

Signature/s of holder(s)

1. _____

2. _____

Signature of Witness

Occupation :

Address :

For the use of the office

Acceptance Date

*Delete inapplicable words

Payment in cash permissible only if the amount does not
exceed Rs. 10,000/-.

No. UT/DBDM/409A/SPD 106/92-93.—The Amendments to the Provisions of the Children's Gift Growth Fund formulated under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 approved by the Executive Committee in the Meeting held on 16th July 1992 are published herebelow.

ANNEXURE

The provisions of CGGF-1986 shall stand amended as given below :

1. In sub clause 22B on Income distribution of the provisions of CGGF, the figure "13%" shall be substituted by the figure "14%" and the words "thirteen percent" shall be substituted to "fourteen percent".

2. In Clause 23 on declaration of bonus dividend of the provisions of CGGF 1986, the expression "Every five years" shall be substituted by "Every three years".